शाह से बातचीत नहीं तो राज्यसभा चुनाव में वोट नहीं

लखनऊ ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश की फूलपुर और गोरखपुर सीट पर हुए लोकसभा उप चुनाव के परिणाम भाजपा के पक्ष में नहीं आने से भाजपा नीत राजग गठबंधन की गांठ अब ढीली पड़ती दिख रही है। जहां केंद्र में तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) ने राजग से नाता तोड़ लिया है। वहीं उत्तर प्रदेश में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (भासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर भी भाजपा से मुंह फुलाए बैठे हैं। निकाय चुनाव और उप चुनाव में भाजपा पर गठबंधन धर्म नहीं निभाने का आरोप लगाते हुए कैबिनेट मंत्री प्रदेश सरकार के एक साल पूरे होने पर आयोजित 'एक साल-नई मिसाल' कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। जबकि उन्हें लेने संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना पहुंचे थे। श्री राजभर ने 23 मार्च को राज्यसभा चुनाव के मतदान को लेकर भी भाजपा के पक्ष में रूख नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि वह पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह से बातचीत के बाद ही राज्यसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने का निर्णय लेंगे। राजभर ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में मतदान को लेकर हमारी पार्टी ने अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। हम अमित शाह से बात करना चाहते हैं। अमित शाह से मुलाकात नहीं होने की स्थिति में राज्यसभा में वह भाजपा को समर्थन नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि उनके पास चार विधायक हैं और चारों वोट नहीं डालेंगे। उनकी पार्टी राज्य सभा चुनाव का बहिष्कार करेगी।

राजभर ने कहा कि हम सत्ता का सुख भोगने के लिए यहां नहीं आए हैं। हम गरीबों की मदद करने के लिए सत्ता में आए हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार सिर्फ मंदिरों पर केंद्रित है, गरीबों के कल्याण पर नहीं। उन्होंने कहा कि हम इस मकसद से गठबंधन किए थे कि गरीबों को न्याय मिलेगा। गरीबों की मूलभूत जरूरतें, राशन, आवास, शौचालय और शिक्षा मिलेगी लेकिन उनकी हालत जस की तस है। उन्होंने कहा कि बदलाव की बहुत सारी बातें हो रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर बहुत थोड़ा सा बदलाव हुआ है। राजभर ने कहा कि हम अब भी सरकार और एनडीए का हिस्सा हैं। लेकिन भाजपा गठबंधन धर्म का पालन नहीं कर रही है। मैं अपनी चिंताओं को व्यक्त कर रहा हूं, लेकिन ये लोग 325 सीटों के नशे में पागल होकर घूम रहे हैं। वहीं मंत्री राजभर के बयान पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि राजभर हमारे मंत्री और हमारे सहयोगी हैं, अगर उनके पास कुछ समस्याएं हैं तो उन्हें कैबिनेट के सामने रखना चाहिए, जनता में नहीं। आप सरकार का हिस्सा भी हों और इस तरह की आलोचना भी करते रहे, ये दोनों काम साथ-साथ नहीं हो सकते है।

अजमेर शरीफ के सालाना उर्स के लिए रेलवे चलाएगा एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन

लखनऊ (आरएनएस)। पूर्वोत्तर रेलवे अजमेर शरीफ में होने वाले ख्वाजा गरीब नवाज के सालाना उर्स में जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए छपरा से मदार के बीच एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन एक ट्रिप में चलाने जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी (सीपीआरओ) संजय यादव ने आईपीएन को बताया कि अजमेर शरीफ में लगने वाले ख्वाजा गरीब नवाज के सालाना उर्स के मद्देनजर रेल प्रशासन ने 05103/05104 छपरा-मदार-छपरा एक जोड़ी विशेष गाड़ी एक ट्रिप में चलाने का निर्णय लिया है। इसके तहत 05103 छपरा-मदार स्पेशल ट्रेन 21 मार्च दिन बुधवार को छपरा से 20.30 बजे चलकर सीवान, देवरिया सदर, दूसरे दिन गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, गोण्डा, बाराबंकी, बादशाहनगर, लखनऊ जं. (पूर्वोत्तर रेलवे), कानपुर सेण्ट्रल, इटावा, टुण्डला, आगरा फोर्ट, बयाना, सवाई माधोपुर, दुर्गापुर, जयपुर, फुलेरा एवं किशनगढ़ स्टेशनों पर रूकते हुये मदार 23.55 बजे पहुंचेगी। वापसी में 05104 मदार-छपरा स्पेशल ट्रेन 26 मार्च दिन सोमवार को मदार से 00.30 बजे चल कर एसी रास्ते से वापस होते हुए दूसरे दिन छपरा 02.50 बजे पहुँचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में साधारण यान के 07, शयनयान के 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 05, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा एस.एल.आर./एस.एल.आर. डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगेंगे।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ हर्षोल्लास के साथ मनाया नव वर्ष

गोंडा ,(आरएनएस)। राम जानकी मंदिर में भारतीय नव सम्वत 2075 प्रारम्भ होने पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा नव वर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम मे इस बौद्धिक गोष्ठी, सर संघ चालक को प्रणाम ध्वज फहराया गया। इस मौके पर गोष्ठी को संबोधित करते हुए संघ के जिला सेवा प्रमुख नीलम प्रकाश ने कहा कि भौतिकता की अंधी दौड़ में हम अपनी पुरातन सभ्यता और संस्कार भूलते जा रहे हैं। हमें समाज को सद् मार्ग पर चलने को प्रेरित करते हुए संस्कार और व्यवहार में सुचिता लानी होगी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को संस्कार एवं समाज से जोड़ कर बदलाव लाना होगा। डा. उमाशंकर मिश्रा ने गिरते नैतिक मूल्यों के लिए पश्चात्य संस्कृति को दोषी ठहराते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी को भारतीयता की शिक्षा देनी होगी।इस मौके पर डा. अशोक शुक्ल,संघ के राम जी ,आशीष कसौधन, पंकज कुमार, करम चंद, बृज किशोर, दीपक कुमार, राममनु, विष्णु विवेक शुक्ल, जय देव , प्रदीप कुमार , महेश चन्द, संजय कुमार आदि उपस्थित रहे

योगी सरकार ने किसानों के साथ किया धोखा, एक भी वादा नहीं हुआ पूरा

लखनऊ , (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के एक साल पूरा होने के बाद राष्ट्रीय किसान मंच ने सरकार पर वादाखिलाफ़ी का आरोप लगाया है। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर दीक्षित ने कहा कि योगी सरकार ने चुनाव से पहले किसानों से किया गया, एक भी वादा पूरा नहीं किया है। उत्तर प्रदेश में किसान त्रस्त है और सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है। शेखर दीक्षित ने कहा कि किसानों से कर्ज माफ़ी सहित गन्ना किसानों के भुगतान, आलू और धान किसानों को उत्पादन लागत देने, बिजली दरें कम करने सहित किसानों से कीये गये तमाम वादे योगी सरकार ने पूरे नहीं किए। केंद्र की मोदी सरकार ने तो सत्ता में आने के बाद वैसे ही किसानों का बेड़ा गर्क कर दिया, अब राज्य की बीजेपी सरकार भी उसी ढ़र्रे पर चल रही है।पहले वादा किया, बाद में दिया धोखाशेखर दीक्षित ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रैलियों में चिल्ला-चिल्लाकर कहा था कि अगर उनकी सरकार सत्ता में आई तो वह उत्तर प्रदेश के किसानों का कर्ज माफ़ कर देंगी। वही बीजेपी के घोषणापत्र में भी किसानों के कर्ज माफ़ी का वादा शामिल था लेकिन केंद्र सरकार ने बाद में किसानों की कर्ज माफी को लेकर किसी भी प्रकार की मदद करने से इंकार कर दिया। शेखर दीक्षित ने कहा कि योगी सरकार ने किसानों से किये गये वादे को निभाने के लिए 36 हज़ार करोड़ क़र्ज़ माफ़ करने की घोषणा ज़रूर की लेकिन ये बजट जमीनी स्तर पर हवा-हवाई रहा और किसानों का दो रुपए, पांच रुपए, अस्सी पैसे, डेढ़ रुपए जैसी राशियों की कर्जमाफी करके उनका मजाक उड़ाया गया। गन्ना किसानों से भुगतान का वादा हवा-हवाई शेखर दीक्षित ने कहा कि भाजपा के घोषणापत्र में सरकार आने के 14 दिन के भीतर गन्ना किसानों का सारा भुगतान कराने का वादा कीया गया था। लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी योगी सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया है। चीनी मिलों पर किसानों का अभी भी 6 हजार करोड़ बकाया है।

आलू और धान किसानों को छला गया शेखर दीक्षित ने कहा कि योगी सरकार ने आलू और धान किसानों से भी वादाखिलाफी की। किसानों से उनकी उत्पादन राशि देने का वादा हवा-हवाई हो गया। प्रति एक किलो आलू में किसान कि लागत 9 रुपये आ रही थी और मार्केट में आलू 2 रुपये में बिक रहा था। इसको लेकर किसानों ने विरोध करते हुए विधानसभा मार्ग पर आलू फेंका। यही हाल धान किसानों के साथ हुआ। मोदी सरकार के बाद योगी सरकार ने भी की वादाखिलाफी शेखर दीक्षित ने कहा कि मोदी सरकार के बाद योगी सरकार ने भी किसानों के साथ वादाखिलाफी की . नोटबंदी से आलू किसानों को भारी नुकसान हुआ। नोटबंदी से पहले नवंबर 2016 में प्रति क्विंटल आलू की कीमत 916 रुपए थी, जोकि दिसंबर 2016 में गिरकर महज 532 रुपए रह गई। जिससे आलू की कीमतों में 40 फ़ीसदी से ज़्यादा की गिरावट दर्ज़ की गई। मार्च 2017 आलू के दाम और घटकर 399 के स्तर पर आ गये। सरकार ने न्यूनतम निर्यात मूल्य और अनिवार्य वस्तु अधिनियम का इस्तेमाल कर आलू का बाज़ार भाव बढ़ने ही नहीं दिया।मोदी सरकार का किसानों से सबसे बड़ा झूठ वादा? 2022 तक कैसे होगी किसानों की आय दोगुनी, जब अभी तक कुछ नहीं हुआ।?2016-17 में उत्तर प्रदेश में 155 लाख टन आलू का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ।?लेकिन दो साल पहले की तुलना में बाज़ार मूल्य गिरकर आधा रह गया। ? उत्पादन और कोल्ड स्टोरेज में रख-रखाव को जोड़कर प्रति किलोग्राम आलू पर किसानों की लागत 8-9 रुपए बैठती है, लेकिन बाज़ार में थोक मूल्य इस वक़्त 2 रुपए के आस-पास है। ?किसानों को प्रति किलोग्राम 6-7 रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है।? उत्पादन के हिसाब से देखें तो हर किसान को प्रति सीजन 60 हज़ार रुपए से ज़्यादा नुकसान हो रहा है।

वैज्ञानिक भ्रमण व अध्ययन में छात्रों ने जानीं बारीकियां

मीरापुर (आरएनएस)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्-उत्तर प्रदेश विज्ञान भवन की देखरेख में एसडी इंटर कॉलेज व श्रीसुक्खन लाल कन्या इंटर कॉलेज की 60 छात्राओं व 6 विज्ञान अध्यापकों ने मुजफ्फरनगर के एनएस पेपर्स लिमिटेड व श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज का भ्रमण किया। श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के चेयरमैन डॉ. एससी कुलश्रेष्ठ ने छात्राओं व शिक्षकों के साथ वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषय पर संवाद किया। छात्राओं की करियर बनाने के प्रति जिज्ञासा का समाधान भी किया। इस दौरान सुमित कुमार, अनुज चैधरी व आरती शर्मा ने उन्हें फ्लूड मैकेनिकल लैब, हाइड्रोलिक लैब, थर्मोडायनेमिक्स लैब व अन्य आधुनिक प्रयोगशालाओं व नवीन शोधों के बारे में बताया। य कुमार, चैहान, रजनीश कुमार व शखावत राणा आदि मिलकर्मियों ने उन्हें रद्दी से नया पेपर बनाने व मशीनों तथा उपकरणों के बारे में विस्तार से बताया। समन्वयक जिला विज्ञान क्लब-मुजफ्फरनगर डॉ. विकास कुमार ने कहा की वैज्ञानिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर स्थापित करने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करना है। चेयरमैन डॉ. एससी कुलश्रेष्ठ ने बालिकाओं व शिक्षकों को स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर दीपक कुमार, अभिषेक गर्ग, तेज प्रताप, संजीव मोहन इक्षसह, बुद्ध इक्षसह, सचिन कुमार, भूपेंद्र कुमार, जुगनू शर्मा व दिनेश कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

डा. प्रभात कुमार ने कायम की एक संवेदनशील अधिकारी की मिसाल

मेरठ ,(आरएनएस)। जब आयुक्त डा. प्रभात कुमार किसानों को प्रतिकर के चैक बॉट कर सभागार से बाहर आये तभी पहले से खड़ी होकर इन्तजार कर रही एक पीड़ित महिला ने पैरों में लेटकर आयुक्त से रोते हुए गुहार लगायी कि उसे उसके पति वह ससुराल वालों ने तीन दिन पूर्व घर से निकाल दिया और वह भूखी प्यासी अपनी एक छोटी बच्ची के साथ सड़कों पर तीन दिन से घूम रही है। उसने न्याय पाने के लिये थाने से लेकर एसएसपी तक गुहार लगायी है लेकिन अभी तक उसे न्याय नहीं मिला है। उसने एक दरोगा पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए आयुक्त से शिकायत की है। महिला ने आयुक्त को बताया कि वह गर्भवती है और उसके पेट में पल रहा बच्चा भी शान्त है। महिला ने बताया कि वह थाना रोहटा क्षेत्र की रहने वाली है। आयुक्त ने अपने पर्स से निकाल कर दो हजार रूपये का नोट महिला को दिया और उसे व उसकी मासूम बच्ची को नाश्ता भी कराया। साथ ही एडीएम सिटी मुकेश चन्द्र को कमिशनरी में ही बुलाकर महिला को उसके घर भिजवाने की व्यवस्था भी की।

मां के जयकारों से गूंजे जिले के सिद्धपीठ

रुद्रप्रयाग, (आरएनएस)। चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन भी जिले के सिद्धपीठ माता के जयकारों से गूंजते रहे। मंदिरों में दूसरे दिन भी भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। भक्तों ने मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना कर मनौतियां भी मांगी। जिले के प्रसिद्ध सिद्धपीठ कालीमठ, कालशिला, मठियाणाखाल, हरियाली देवी, चामुंडा देवी, दक्षिण काली मंदिर समेत कई देवी के मंदिरों में चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन भी भक्तों की भीड़ उमडी रही। मंदिरों में जय माता दी के जयकारों से दिनभर मंदिर गूंजते रहे। भक्तों ने मंदिरों में प्रतिदिन वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मां दुर्गा के नौ रूपों की विशेष पूजा-अर्चना की।

बिना मान्यता के विद्यालय चलाने वालो पर शिकंजा कसने की तैयारी

गोरखपुर (आरएनएस) । जनपद में बिना मान्यता के विद्यालय चलाने वालों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। शासन के निर्देश पर जनपद से ऐसे विद्यालयों का विवरण जुटाया जा रहा है, जो बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। ऐसे विद्यालयों को बंद करने के लिए नोटिस दी जाएगी। नोटिस के बाद भी संचालन जारी रहा तो एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। जनपद में करीब 385 विद्यालय बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में ऐसे विद्यालयों के संचालन पर शासन ने नाराजगी जताते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जिला बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर ऐसे विद्यालयों की पहचान करने का निर्देश दिया गया है। पहचान होने के बाद उन्हें विद्यालय बंद करने की नोटिस दी जाएगी। तीन नोटिस देने के बाद भी संचलन जारी रहा तो उनपर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। एक विद्यालय पर जुर्माना लगाने की प्रक्रिया शुरू भी हो गई है। जुर्माने के बाद भी यदि ऐसे विद्यालय संचालित होंगे, तो उनपर प्रतिदिन 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

मथुरा नहीं कैराना से संसद की डगर तैयार कर रहे जयंत चौधरी!

मथुरा , (आरएनएस)। मथुरा के पूर्व सांसद और रालोद महासचिव जयंत चौधरी मथुरा से आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। राजनीति के गलियारों से जिस तरह की खबरें छनकर आ रही हैं उसके मुताबिक जयंत कैराना से उपचुनाव में गठबंधन प्रत्याशी हो सकते हैं। लोकसभा के 2014 में हुए चुनाव एवं उत्तर प्रदेश में मिली शर्मनाक हार से चारों खाने चित विपक्ष को गोरखपुर और फूलपुर लोकसभा सीटों पर एतिहासिक जीत से मिली संजीवनी ने मूर्छित अवस्था से बाहर ला दिया है। अब विपक्ष भाजपा के मिशन 2019 को फेल करने की जोड़तोड़ जुट चुका है। गोरखपुर और फूलपुर में सपा बसपा के साथ ने भाजपा का किला ढहाने का जो जौहर दिखाया। अब उसी जौहर का नमूना कैराना संसदीय सीट के उपचुनाव में पेश करने के लिए रालोद और कांग्रेस भी सपा बसपा के इस महागठबंधन का हिस्सा बनने की जुगत में जुट गई हैं। यह भी सनसनाहट महसूस की जा रही है कि कैराना से रालोद के मुखिया छोटे चौधरी भी आस्तीन चढ़ाकर सियासी जंग के अखाड़े में कूद सकते हैं।

गठबंधन की पहली पसंद जयंत हैं। लेकिन दोनों चौधरियों में कोई भी लड़े संगठन संसद में सीट की तैयारी कर रहा है। उधर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस और प्रशासनिक फसरों को ताश के पत्तों की तरह फेंटने का काम किया है, उससे यह माना जा रहा है कि योगी सरकार किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं छोड़ना चाहती है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की कैराना लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद हुकम सिंह का तीन फरवरी 2018 को निधन हो जाने के कारण यह सीट खाली है। अब इस सीट पर उपचुनाव होना है। जयंत चौधरी अगर कैराना से चुनाव लड़ते हैं तो मथुरा से रालोद के कई नेता लोकसभा चुनाव रालोद के टिकट पर लड़ने की तैयारी शुरू करेंगे। इससे रालोद की जनपद स्तरीय राजनीति में भी उठापटक शुरू होगी।

नारी सशक्तिकरण के बिना हमारी स्वतंत्रता अधूरी

ऋषिकेश, (आरएनएस)। परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती महाराज से संसद सचिवालय के संयुक्त सचिव दलसिंह और फुटबाल फार द नेशन के अध्यक्ष भास्कर प्रकाश ने परमार्थ निकेतन आश्रम में भेंट की। स्वामी चिदानन्द महाराज को पार्लियामेंट ऑफ इंडिया की ट्राफी भेंटकर उनका सम्मान किया गया।परमार्थ निकेतन में आयोजित कार्यक्रम में स्वामी चिदानन्द सरस्वती महाराज ने कहा कि देश की बेटियों को अपने जीवन से जुड़े निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिये। उन्हें ऐसा माहौल दिया जाना चाहिये कि वे सामाजिक बंधनों से परे होकर स्वयं अपने निर्णयों की निर्माता बने। परिवार, समाज और देश के उज्जवल भविष्य के लिये महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना समाज का दायित्व है। शास्त्रों में भी नारी को सृजन की शक्ति माना गया है। नारी शक्ति को समानता का अधिकार और स्वतंत्रता देना समाज की नैतिक जिम्मेदारी है। कहा कि नवरात्रि पर हम सभी संकल्प लें कि कन्याओं का पूजन तो करें साथ ही उन्हें सृजन का मार्ग भी उपलब्ध कराएं। कहा कि नारी सशक्तिकरण के बिना हमारी स्वतंत्रता और कन्या पूजन दोनों अधूरे हैं। दलसिंह और भास्कर प्रकाश को पर्यावरण का प्रतीक रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया। नवरात्रि पर संकल्प कराया कि बेटियों को बचायेंगे, पढ़ायेंगे और बढ़ायेंगे

नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा को शराब व खनन माफियाओं का हितैषी बताया

अल्मोड़ा, (आरएनएस)। नेता प्रतिपक्ष डॉ. इंदिरा हृदयेश ने राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल को निराशाजनक व विफलताओं से भरा बताया। उन्होंने कहा कि बगैर किसी उपलब्धि के एक साल बिताने के बाद मुख्यमंत्री कहते हैं तैरना सीख रहे। ऐसे में तो जनता ही डूब जाएगी। शराब व खनन पर उल्टा राज्य सरकार की घेराबंदी करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हकीकत में भाजपा ही संरक्षण देती आई है। द्वाराहाट इंजीनियरिंग कॉलेज के विश्राम गृह में सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. इंदिरा हृदयेश ने पत्रकारों से बातचीत में राज्य सरकार पर तीखे प्रहार किए। भाजपा को शराब व खनन माफिया की हितैषी बताया। साथ ही त्रिवेंद्र सरकार के वित्तीय प्रबंधन को फेल बताते हुए मुख्यमंत्री के अभी तैरना सीख रहे संबंधी बयान पर कटाक्ष किया कि सरकार के तैरना सीखने तक तो जनता डूब जाएगी। रोजगार के मामले में सरकार को फिसड्डी करार देते हुए उन्होंने कहा कि विकास प्राधिकरण, महंगाई, मेडिकल में तीन गुना फीस की बढ़ोतरी, एनएच-74 घोटाला, गैरसैंण राजधानी सहित अन्य मुद्दों को सदन में प्रमुखता से उठाया जाएगा। गैरसैण राजधानी पर डॉ. हृदयेश ने कहा, सरकार राजधानी पर अपना रुख स्पष्ट करे। बगैर एक ईट लगाए बेमतलब का श्रेय न ले। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष कमल साह, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कंचन साह, नारायण रावत, निर्मल मठपाल, विजय बजेठा, हेम मठपाल, पप्पू साह, तारा सिंह आदि मौजूद रहे।

सीएम ने किया चौरास सेतु का लोकार्पण

नई टिहरी, (आरएनएस)। राज्य निर्माण के 17 वर्ष बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ऐसे पहले मुख्यमंत्री है जो मंत्रिमण्डल के सदस्यों, विधायकों व अधिकारियों के साथ सड़क मार्ग से गैरसेण पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ऑल वेदर रोड के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण के साथ ही जनता से सीधा संवाद भी किया। मुख्यमंत्री का क्षेत्र के लोगों द्वारा विभिन्न स्थानों पर जोरदार स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने ऋषिकेश से कीर्तिनगर तक ऑल वेदर रोड के विभिन्न संवेदनशील स्थलों, जिनमें नीरगढ़, साकणीधार, मुल्यागॉव निरीक्षण के दौरान के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि इन स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम किये जाए ताकि सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने ऑल वेदर रोड के कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इसके बन जाने से यात्रियों को आवागमन में जहाँ सुविधा होगी, वहीं पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी जिससे इस क्षेत्र के लोगों को पर्यटन के माध्यम से रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे, वही स्थानीय उत्पादों के व्यवसायीकरण की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि राज्य के सीमान्त क्षेत्रों को जोड़ने के लिए भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत 13 हजार करोड़ की लागत से सड़कों का निर्माण किया जायेगा जिससे सीमान्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के अलावा हमारे सैनिकों को भी आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में 3637.43 लाख की लागत से निर्मित चौरास सेतु का लोकार्पण एवं श्रीनगर व चैरास पुल को जोड़ने के लिए देवप्रयाग विधानसभा के अन्तर्गत चैरास में 9 करोड 41 लाख 36 हजार की लागत से दो किमी0 सड़क का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुल तथा मोटर मार्ग के बन जाने से गढ़वाल विश्वविद्यालय परिसर चैरास में आने वाले छात्रों को सुविधा होगी वहीं इस क्षेत्र के विकास में भी मदद मिलेगी तथा स्थानीय लोगों को भी आवागमन की सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने कोढियाला स्थित गंगा क्षेत्र में पर्यटन विभाग तथा मूल्यागॉव में ऑल वेदर रोड की कार्यदायी संस्था को व्यू प्वाइन्ट बनाने के भी निर्देश दिये। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि बद्रीनाथ व केदारनाथ तक के पंहुच मार्ग के अन्तर्गत 44 संवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया गया है जहाँ पर यातायात को सूचारु करने के लिए 40 जेसीबी तैनात रहेंगी जिनके फोन नम्बर आपदा नियंत्रण कक्ष व जिला प्रशासन के पास उपलब्ध रहेंगी। उन्होने कहा कि ऑल वेदर रोड में सड़क कटान का कार्य 31 मार्च 2018 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है